प्रिलिम्स फैक्ट: 28 दिसंबर, 2020

drishtiias.com/hindi/printpdf/prelims-fact-28-december-2020

सुनील कोठारी

सुनील कोठारी

(Sunil Kothari)

हाल ही में **प्रख्यात नृत्य इतिहासकार और आलोचक सुनील कोठारी** का 87 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

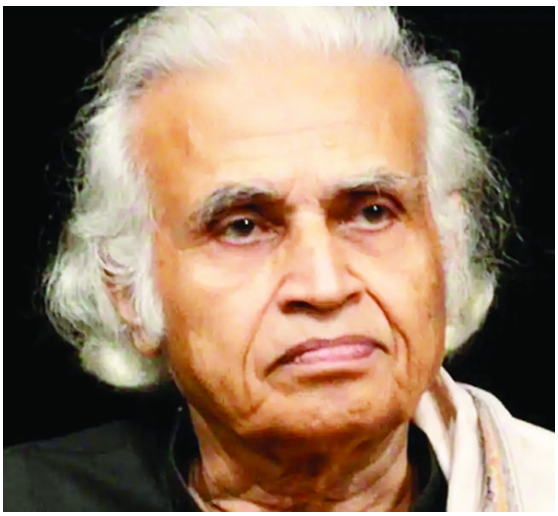

प्रमुख बिंदु:

- उन्हें वर्ष 2001 में **चौथे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार** पद्मश्री से सम्मानित किया गया था।
- उन्होंने भारतीय शास्त्रीय नृत्यों पर **20 पुस्तकें लिखीं** और भरतनाट्यम, कत्थक तथा मणिपुरी नृत्य रूपों पर **विस्तार से लिखा**।
    - "सत्रिया: असम का शास्त्रीय नृत्य", पर उनके विद्वतापूर्ण कार्य, ने राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर नृत्य की बेहतर समझ विकसित करने में मदद की।
    - इनके अन्य उल्लेखनीय योगदानों में भारतीय नृत्य में नई दिशाएँ और कुचिपुड़ी भारतीय शास्त्रीय नृत्य कला शामिल हैं।
- इन्हें संगीत नाटक अकादमी के सदस्य के रूप में चुना गया था।

भारतीय शास्त्रीय नृत्य:

- **भारतीय शास्त्रीय नृत्यों के दो मूल पहलू हैं:**
  तांडव (चाल और लय) और लास्य (अनुग्रह, भाव और रस)।
- **उनमें से तीन मुख्य घटक हैं:**
  - **नाट्य:** नृत्य का नाटकीय तत्त्व यानी पात्रों की नकल।
  - **नृत्त:** उनके मूल रूप में नृत्य की गतिविधियाँ।
  - **नृत्य:** कलात्मक अभिव्यक्ति-विषयक घटक यानी मुद्राएँ या हावभाव।
- **नौ रस हैं:** श्रृंगार, हास्य, करुण, रौद्र, वीर, भयानक, वीभत्स, अद्भुत और शांत।
- **भरत मुनि** द्वारा लिखित **नाट्य शास्त्र,** नृत्यों की विशेषताओं के संबंध में जानकारी प्राप्त करने का सबसे प्रमुख स्रोत है।
- भारत में **8 शास्त्रीय नृत्य** हैं:
  - भरतनाट्यम (तमिलनाडु)
  - कत्थक (उत्तर भारत)
  - कथकली (केरल)
  - मोहिनीअट्टम (केरल)
  - कुचिपुड़ी (आंध्र प्रदेश)
  - ओडिसी (ओडिशा)
  - सत्रिया (असम)
  - मणिपुरी (मणिपुर)
- **समकालीन शास्त्रीय नृत्य रूप** 12वीं शताब्दी से 19 वीं शताब्दी तक किये गए **संगीत नाट्य या संगीत-नाटक से विकसित** हुए हैं।

संगीत नाटक अकादमी (Sangeet Natak Akademi):

- संगीत नाटक अकादमी भारत गणराज्य द्वारा स्थापित **नृत्य और नाटक की प्रथम राष्ट्रीय अकादमी** है।
- इसका गठन भारत सरकार के तत्कालीन **शिक्षा मंत्रालय (पूर्व में मानव संसाधन विकास मंत्रालय)** के एक प्रस्ताव द्वारा **वर्ष 1952** में किया गया था तथा इसके पहले अध्यक्ष **डॉ. पी. वी. राजमन्नार** थे।
- वर्तमान में यह भारत सरकार के **संस्कृति मंत्रालय** के तहत एक स्वायत्त संस्था है और अपनी योजनाओं व कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के लिये इसे पूर्ण **रूप से सरकार द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान** की जाती है।
- यह कला प्रदर्शन के क्षेत्र में संस्थाओं की स्थापना करती है और राष्ट्रीय महत्त्व की परियोजनाओं की देख-रेख करती है। इसके द्वारा स्थापित कुछ प्रमुख संस्थान और परियोजनाएँ निम्नलिखित हैं:
  - **नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा,** नई दिल्ली (वर्ष 1959 में स्थापित)।
  - **जवाहर लाल नेहरू मणिपुर डांस एकेडमी,** इम्फाल (वर्ष1954 में स्थापित)।
  - **कत्थक केंद्र (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ कथक डांस),** नई दिल्ली (वर्ष 1964 में स्थापित)।
  - **केरल के प्राचीन संस्कृत थियेटर कुटियट्टम**, पूर्वी भारत का छऊ नृत्य और असम के सत्रिया नृत्य को बढ़ावा देने हेतु राष्ट्रीय परियोजनाओं को समर्थन।